International Journal of Social Science and Humanities
www.humanitiesjournals.com
Online ISSN: 2664-8628, Print ISSN: 2664-861X
Received: 18-07-2023, Accepted: 04-08-2023, Published: 20-08-2023
Volume 5, Issue 3, 2023, Page No. 45-46

हरियाणा में नगरीकरण के प्रभावों का विश्लेशणात्मक अध्ययन

मोनू
शोधार्थी, इतिहास विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा, भारत

सारांश
हरियाणा के नगरीकरण में कई कारकों का योगदान हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से इस क्षेत्र की निकटता ने इसे व्यवसायों और रोजगार के अवसरों की तलाश करने वाले व्यक्तियों के लिए एक आकर्शक गतंव्य बना दिया है। राज्य का कृषि क्षेत्र भी नगरीकरण का एक प्रमुख चालक रहा है, क्योंकि बुनियादी ढाँचे और परिवहन के नेटवर्क के विकास ने किसानों के लिए अपनी उपज को शहरी बाज़ारों तक पहुँचाना आसान बना दिया है। वर्तमान में 2011 तक 44.98 प्रतिशत आबादी के साथ हरियाणा अब भारत मे सबसे अधिक शहरीकृत राज्यों में से एक है।

मूल शब्दः नगरीकरण, व्यवसाय, रोजगार, गंतव्य, बुनियादी, नेटवर्क, परिवहन, बाज़ार

हरियाणा के नगरीकरण के प्रभाव

आर्थिक प्रभावः हरियाणा में नगरीकरण के सबसे महत्त्वपूर्ण प्रभावों में से एक राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। नगरीकरण से राज्य में औद्योगिक और वाणिज्यिक केन्द्रों का विकास हुआ है, जिससे नौकरी के अवसर पैदा हुए है और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के आय स्तर में वृद्धि हुई। शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के आय स्तर में वृद्धि हुई। शहरी क्षेत्रों के विकास के साथ, वस्तुओं और सेवाओं की मांग में वद्धि हुई, जिससे नए व्यवसायों और उद्योगों की स्थापना हुई है। इसके अलावा, नगरीकरण ने सड़कों, पुलों और सार्वजनिक परिवहन जैसे बुनियादी ढांचे के विकास को भी प्रेरित किया है। जिससे माल और लोगों की आवाजाही में सुविधा हुई है, जिससे व्यापार और वाणिज्य में वृद्धि हुई। शहरी क्षेत्रों में उद्योगों और वाणिज्यिक केन्द्रों के विकास से रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई, ग्रामीण क्षेत्रों से प्रवासियों को आकर्शित किया है। परिणामस्वरूप शहरी आबादी में वृद्धि हुई।
नगरीकरण ने कई सकारात्मक बदलाव किए जैसे–आर्थिक विकास व बुनियादी ढांचे में सुधार, इसने पर्यावरण, स्वास्थ्य पर कई नकारात्मक प्रभाव भी डाले हैं।

पर्यावरणीय प्रभावः हरियाणा के तेजी से नगरीकरण का पर्यावरण पर भी महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि ने भूमि, जल और वायु जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर प्रकाश डाला हे। इससे वनों की कटाई, मिट्टी का क्षरण और प्रदूशण हुआ है, जिसने पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। शहरी क्षेत्रों में इमारतों और बुनियादी ढांचे के तेजी से निर्माण के कारण भूजल संसाधनों में कमी आई है और बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी बढ़ गया है।
हरियाणा में नगरीकरण की तीव्र गति के परिणामस्वरूप महत्त्वपूर्ण पर्यावरणीय गिरावट आई है नगरीकरण से वन आवरण और हरित स्थानों का नुकसान हुआ है, जिसका क्षेत्र की जैव विविधता पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। मिट्टी और जल प्रदूशण से शहरी क्षेत्रों के निवासियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य परिणाम सामने आए है।

सामाजिक प्रभावः– नगरीकरण का हरियाणा के सामाजिक ताने–बाने पर भी महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। नगरीय क्षेत्रों के विकास के साथ, ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों का आगमन हुआ है, जिससे शहरी क्षेत्रों में विविध समुदायों का विकास हुआ है। इससे सांस्कृतिक आदान–प्रदान हुआ है और पारंपरिक कला और शिल्प के सरंक्षण में मदद मिली है। इसके अलावा, नगरीकरण ने शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए साक्षरता दर और शैक्षिक अवसरों में वृद्धि की है। इसके महत्त्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव है, जिसमें एक क्षेत्र की जनसांख्किीय सरंचना, सामाजिक सरंचना और सांस्कृतिक प्रथाओं मे परिवर्तन शामिल है। हरियाणा में, नगरीकरण की प्रक्रिया ने शहरी आबादी से महत्त्वपूर्ण वृद्धि और ग्रामीण आबादी में गिरावट के साथ, राज्य जनसांख्यिकीय रूपरेखा में परिवर्तन किया है। इसके कारण सामाजिक सरंचनाओं में पारंपरिक परिवार प्रणाली और मूल्य टूट गए है।
नगरीकरण के कारण मलिन बस्तियों का उदय हुआ है, जिससे संचारी रोगों में वृद्धि हुई है।

राजनीतिक प्रभावः नगरीकरण का हरियाणा में महत्त्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव भी पड़ा है। शहरी क्षेत्रों के विकास के साथ, शहरी मतदाताओं की राजनीतिक भाक्ति में वृद्धि हुई है, जिससे राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव आया है। इससे नए राजनीतिक दलों का विकास हुआ है और शहरी हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले नए नेताओं का उदय हुआ है। इसके अलावा नगरीकरण ने शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच राजनीतिक जागरूकता और भागीदारी में भी वृद्धि की है। इससे अधिक सूचित और राजनीतिक रूप से सक्रिय नागरिकों का विकास हुआ है, जिससे निर्वाचित प्रतिनिधियों से बेहतर प्रशासन और जवाबदेही की मांग हुई है।
हरियाणा में नगरीकरण के प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही रहे हैं। जिनका वर्णन निम्नलिखित हैः–
हरियाणा में नगरीकरण का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्य बड़ी संख्या में उद्योगों और व्यवसायों को आकर्शित करने में सफल रहा है। जिससे आबादी के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए है।

बेहतर जीवन स्तरः इसक परिणामस्वरूप हरियाणा के लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है। राज्य के शहरी क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, भौक्षणिक संस्थानों और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुँच है।

प्रति व्यक्ति आय में वृद्धिः नगरीकरण के कारण हरियाणा के लोगों की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। रोजगारों के अवसरों की उपलब्धता से मजदूरी में वृद्धि हुई।

आधुनिकीकरणः हरियाणा के लोगों की इंटरनेट कनेक्टिविटी, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों जैसी आधुनिक सुविधाओं तक पहुँच है।

बेहतर शिक्षाः नगरीकरण ने स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों सहित बेहतर शिक्षा संस्थानों की स्थापना की है।

हरियाणा में नगरीकरण के नकारात्मक परिणाम

पर्यावरणीय गिरावटः तेजी से हो रहे नगरीकरण के कारण हरियाणा में प्राकृतिक पर्यावरण का विनाश हुआ है। सड़कों पर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण वायु प्रदूशण होता है।

संसाधनों पर दबावः नगरीय क्षेत्रों मे जनसंख्या में तीव्र वृद्धि ने राज्य के प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाला है। पानी, बिजली और अन्य संसाधनों की मांग तेजी से बढ़ी है। जिससे कीमतों में बढ़ोत्तरी हुई है।

सामाजिक विघटनः नगरीकरण के परिणामस्वरूप हरियाणा में सामाजिक विघटन हुआ है। लोगों के पारंपरिक मूल्यों और विश्वासों को आधुनिक और व्यक्तिवादी मूल्यों द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

आवास की कमीः इसके परिणामस्वरूप मलिन बस्तियों और अन्य अनौपचारिक बस्तियों का प्रसार हुआ है।

अपराधः भाहरी क्षेत्रों में लोगों की एकाग्रता ने आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देना आसान बना दिया है, जिससे चोरी, डकैती और हिंसा की दर में वृद्धि हुई है।

भीड़भाड़ में वृद्धिः नगरीकरण ने यातायात की भीड़ को बढ़ा दिया है, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया है और उत्पादकता कम हो गई है।

निश्कर्श

नगरकीरण को स्थायी तरीके से प्रतिबंधित करना आवश्यक है जो सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताओं के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करता है। हरियाणा सरकार को स्थायी नगरीकरण को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ बनाने पर ध्यान देना चाहिए, जो संसाधनों और सुविधाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करती है, प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करती है और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देती है। नगरीकरण ने हरियाणा में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के महत्त्वपूर्ण बदलाव आए है। जबकि नगरीकरण ने आर्थिक विकास में सुधार किया है।

सन्दर्भ सूची

1. के. सी. यादवः हरियाणा का इतिहास आदिकाल– 1966 तक होप इण्डिया पब्लिकेशन गुडगांव
2. सिंह, एमपी (2007): हरियाणा में शहरीकरणः एक भौगोलिक विश्लेशण। नई दिल्लीः कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी।
3. सिंह, ए और कौशिक एस. पी. (2018) : नगरीकरण और हरियाणा, भारत में कृशि भूमि उपयोग पर इसका प्रभाव।
4. हरियाणा में शहरीकरणः रूझान और चुनौतियाँ। 2 फरवरी 2019।
5. सिंह ए और गुप्ता आर. (2019): नगरीकरण और हरियाणा, भारत में भूजल गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।
6. हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (2021) हरियाणा में शहरीकरण।